Modicare FOUNDATION

KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

/modicarefoundation.org /officialmodicarefoundation

modicarefoundation

मई 2022

एक भूटानी फिल्म के माध्यम से क्षमता का निर्माण

एक फिल्म के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता का निर्माण

एक भूटानी फिल्म, लुनाना: ए याक इन द क्लासरूम, एक क्षमता-निर्माण कार्यशाला के हिस्से के रूप में ख्वाबगाह शिक्षकों को एक हताश और उदासीन शिक्षक के परिवर्तन की कहानी दिखाई गई। यह फिल्म एम.सी.एफ. शिक्षकों को जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को सिखाने के लिए दिखाई गई थी। इस फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह से सीमित साधनों का प्रयोग कर शिक्षण में नए व उपयोगी तरीके अपना सकते हैं। अपने आरामदायक जीवन को त्याग कर; एक शिक्षक कैसे अपने छात्रों के भविष्य को उत्तम आकार दे सकता है। फिल्म में छोटी-छोटी चीजों में खुशियाँ खोजना,पर्यावरण व लोगों को सम्मान की दृष्टि से देखना व वहाँ की संस्कृति और परम्पराओं को संरक्षित करने के महत्त्व को दिखाया गया है।

फिल्म के आलावा जून के महीने में प्रशिक्षण पाठयक्रम की योजना के लिए शिक्षकों का आवश्यक मूल्यांकन किया गया। इस प्रशिक्षण में हिन्दी, गणित और अंग्रेजी विषय के शिक्षण कौशल शामिल होंगे। इसके अंतर्गत डिजिटल साक्षरता,कक्षा शिक्षण,कक्षाओं में टी.एल.एम. का उपयोग, मनोरंजन व उत्साह से भरे हुए क्रियाकलाप ,कक्षा शिष्टाचार और व्यवहार,बाल सुरक्षा,बच्चे के अनुकूल व्यवहार और कक्षा नियंत्रण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिक्षकों को कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम पर भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

ख्वाबगाह के छात्रों द्वारा कलाकृति

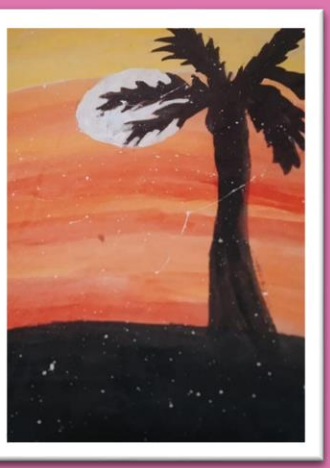

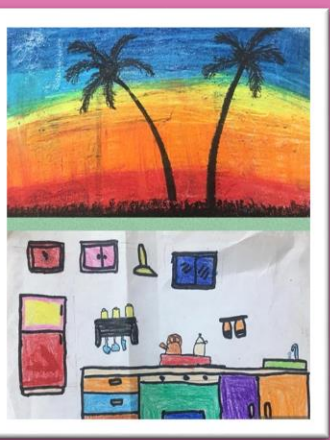

Modicare FOUNDATION

KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

/modicarefoundation.org /officialmodicarefoundation
modicarefoundation

डेल्टा ट्रूप्स द्वारा संजीव को सर्वश्रेष्ठ गार्ड का पुरस्कार

ख़्वाबगाह जसोला के गार्ड संजीव झा को डेल्टा ट्रूप्स द्वारा सर्वश्रेष्ठ गार्ड का पुरस्कार दिया गया।

संजीव जी वह पहले व्यक्ति हैं, जो ख़्वाबगाह जसोला विद्यालय के परिसर में सबसे पहले प्रवेश करते हैं। उनका मुस्कुराता हुआ चेहरा, शांत स्वभाव व उत्तम व्यवहार छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, सरकारी अधिकारियों और विद्यालय आनेवाले अन्य लोगों को आकर्षित करता है। वह ख़्वाबगाह टीम के अभिन्न अंग हैं, जो विद्यालय को सुचारु रूप से चलाने में मदद करते हैं।

विद्यालय बंद होने के दौरान भी वह स्कूल की सुरक्षा हेतु पूरी कर्त्तव्य निष्ठा से अपना कार्य करते हैं। वह सभी के प्रति धैर्य व दया का भाव रखते हैं।

प्राथमिक स्कूल के बच्चों के साथ पहला जीवन कौशल प्रशिक्षण – इरम

एक अकादमिक फैसिलिटेटर के रूप में, मेरा मानना है कि जीवन कौशल प्रशिक्षण बच्चों के सामाजिक-भावनात्मक विकास का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। यह पहली बार था; मैंने छात्रों के साथ जीवन कौशल प्रशिक्षण किया। जब मैं सत्र की तैयारी कर रही थी ,तो मेरे दिमाग में बहुत सी चीजें चल रही थीं - मैं कैसे प्रबंधन करुँगी, उनके पास किस तरह के प्रश्न होंगे, लेकिन जैसा कि हमारे पास पहले से ही एक बंधन है, वे मेरे साथ बहुत सहज थे और इसलिए सत्र सुचारू रूप से चला। हमने स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित कुछ गतिविधियाँ कीं, हमने सत्र को अधिक प्रभावी और रोचक बनाने के लिए ऑडियो-विजुअल एड्स का इस्तेमाल किया और बच्चों ने अपनी स्वस्थ आदतों को साझा किया। वे सत्र बहुत संवादात्मक थे और छात्र सीखने की प्रक्रिया का आनंद ले रहे थे और प्रशिक्षण के पीछे के कारण को समझ रहे थे।